RPF रेल रक्षक बैच

History

Class - 23

कनिष्क (78AD - 110AD)

⇒ रवैतक अभिलेख से कनिष्क के पिता कडफिसेस का पुत्र होने का पता चलता है।
The Ravitaka inscription reveals kanishka to be the son of Vima kadphises.

⇒ इनकी दो राजधानियाँ थी।
They had two Capitals

1. पुरुषपुर
Purushpur

2. मथुरा
Mathura

विम कडफिसेस → पुत्र कनिष्क

⇒ कनिष्क गद्दी पर बैठने से पूर्व: तक्षशिला का गर्वनर थे।
Before kanishka ascended the throne: He was the gownar of Takshashila.

⇒ कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म की चौथी संगीति: कश्मिर के कुण्डल वन में वसुमित्र की अध्यक्षता में हुयी।
4th Music of Buddhism during the reign of kanishka: Vasumitra in kundal forest of kashmir Held under the chairmanship of

वसुमित्र → अध्यक्ष

चौथी बौद्ध संगीति: में बौद्ध धर्म दो शाखा में बंट गया।
Janth Buddhist Council: In Buddhism, it was divided into two branches.
हीनयान
महायान
अध्यक्ष - अश्वघोष

कनिष्क → 78 AD - 110 AD
पिता - विम कडफिसेस
राजधानी: पुरुषपुर, मथुरा
स्वैरक अभिलेख
गद्दी पर बैठने — तक्षशिला, गवर्नर

IV th बौद्ध संगीति → बौद्ध धर्म
हीनयान
महायान
कुंडलवन (कश्मीर)
अध्यक्ष - वसुमित्र

⇒ इन्हें द्वितीय अशोक भी कहा जाता है। He is also called the Second Ashoka

1. गांधार कला, मथुरा कला का विकास
Development of Gandhara Art, Mathura Art
2. शुद्ध सोने के सिक्के — (सूर्य देवता, हेलियोक्लीज का प्रतीक)
Coins of pure gold (Symbol of the sun gold. Heliocles)
मूर्ति बनाने की (Statue) कला

शक संवत् किसने चलाया
⇒ कनिष्क (78 ई० / 78 AD)
का प्रयोग भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

3. दरबारी : (1) राजनीतिक कवि / लेखक – "अश्वघोष"
Darbari : (1) Political poet / writer – "Aswaghosh"

(2) नागार्जुन – (शून्य वाद का जनक / सापेक्षता का सिद्धांत)
Nagarjuna – (Father of Zenoism / Theory of Relativity)

↓

पुस्तक :- प्रज्ञापारमिता सूत्र (Imp.)
Book :- Prajnaparamita Sutra)

अश्वघोष
नागार्जुन
चरक

(3) चरक – (चरक संहिता) – "चिकित्सा"
(3) Charaka (Charaka Samhita) – "Medicine"

⇒ 78 ईस्वी में शक सम्वत् चला।
Saka era started in 78 AD. (Imp.)

वसुमित्र → IV th बौद्ध संगीति की अध्यक्षता

गुप्त साम्राज्य : [319 AD – 540 AD]

↓

भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग
(The Golden Era of India History)

⇒ संस्थापक : श्रीगुप्त Founder : Srigupta

↓ – उत्तराधिकारी

घटोत्कच Ghatotkach

चंद्रगुप्त प्रथम (319 AD - 334 AD) Chandragupta I (319 AD-334 AD)

⇒ गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है: चन्द्र गुप्त प्रथम को।
The real founder of the Gupta dynasty is considered to be: Chandragupta I.

⇒ चंद्रगुप्त प्रथम जिस दिन गद्दी पर बैठा: (319 ई०) में गुप्त संवत् चलाया
The day Chandragupta I sat on the throne: In 319 AD he started the Gupta Samvat.

⇒ उसी दिन = राजा - रानी का सिक्का चलाया था।
On the same day = king - Queen's Coin was run

→ पत्नी – (कुमार देवी)
wife - (kumar devi)

शंक संवत
78 AD

चन्द्रगुप्त I
319 AD
→ गुप्त संवत्
→ उसी दिन – राजा-रानी का सिक्का चलाया था।

चंद्रगुप्त I → 319 AD - 334 AD
→ पिता → घटोत्कच
→ पत्नी → लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी
→ गुप्त संवत् 319 AD
→ राजा - रानी सिक्के 319 AD
} गद्दी पर बैठा।

समुद्रगुप्त (335 AD - 380 AD) Samudragupta (335 AD - 380 AD)

⇒ भारत का नेपोलियन (इसने 9+12 राजाओं को हराया)
Napoleon of India (It defeated 9+12 kings)

↳ विंसेंट स्मिथ : Book ⇒ विंसेंट स्मिथ — Early History of India

⇒ कविराज Kaviraj

वाद्ययंत्र (वीणा) ⇒ परम भागवत Param Bhagwat
⇒ परम क्रमांक Ultimate number
सिक्कों ⇒ लिच्छवी दौहित्र Litchi dauhitar
पर वीणा ⇒ व्याघ्र पराक्रम tiger might
बजाते हुए ⇒ समरशत Samarshath
दिखाया गया। ⇒ काच Katch

9 आर्यावर्त (North)
12 दक्षिणावर्त (South)
हराया ↳ समुद्रगुप्त

श्रीगुप्त ↓ घटोत्कच ↓ चन्द्रगुप्त I ↓ समुद्रगुप्त

→ समुद्रगुप्त → विष्णु उपासक

⇒ यह संगीत प्रेमी था, सिक्के पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया है He was a music lover, the coin is shown playing Veena.

⇒ इनके दरबारी हरिषेण थे जिसने प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख लिखा है। His Courtier was Harishen, who wrote the Prayag Prashasti Inscription
भाषा = संस्कृत
↳ समुद्रगुप्त की विजयों का वर्णन

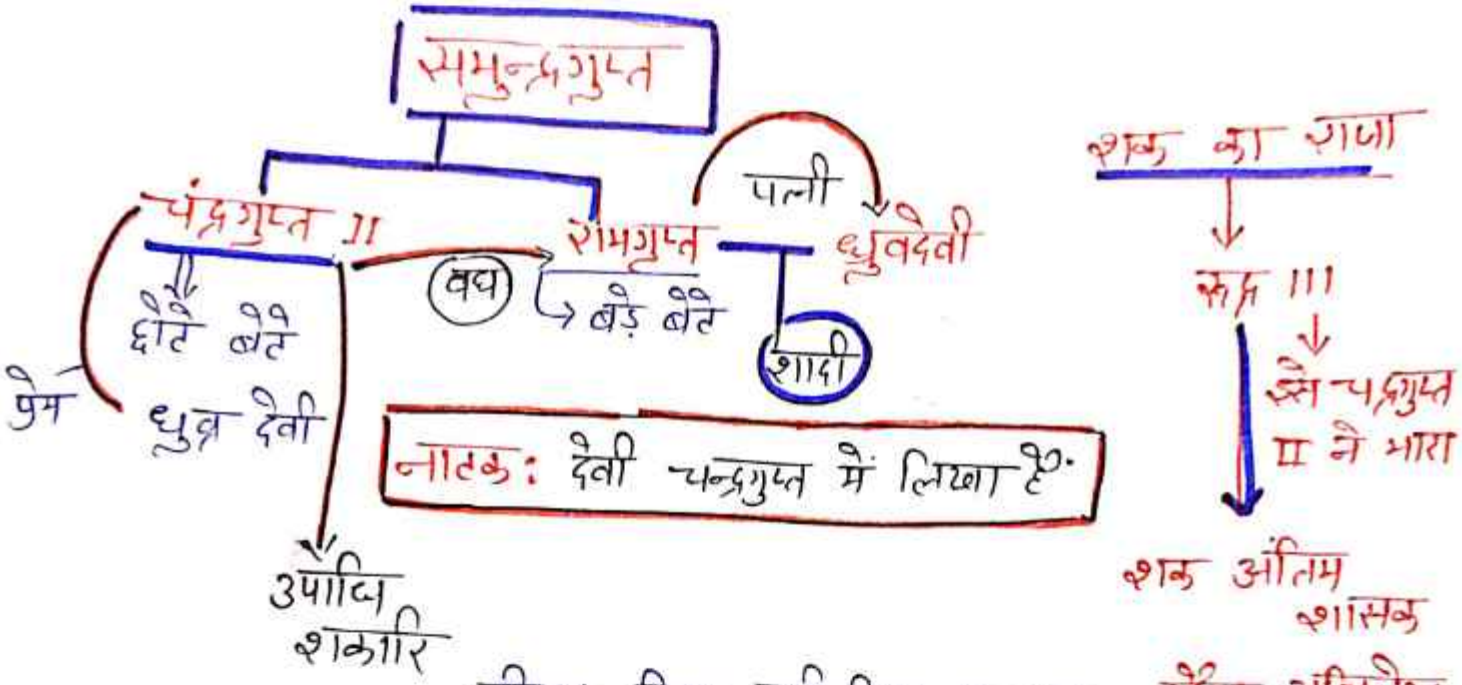
⇒ उसके पास एक संगठित नौसेना थी। It had an Organized navy.

⇒ एरण अभिलेख ⇒ सती प्रथा प्रचलित थी।
Eran Inscription ⇒ Sati practice was prevalent.

↳ "भानु गुप्त" ने जारी कराया ' Released by "Bhanu Gupta"

भाषा ⇒ संस्कृत Language - Sanskrit

संस्कृत में जारी प्रथम अभिलेख
→ जूनागढ़ अभिलेख



शक का राजा
↓
रुद्र III
↓
से चंद्रगुप्त II ने मारा
↓
शक अंतिम शासक

कनिष्क तिम कडफिसिस का पुत्र – रबेटक अभिलेख

गुप्त साम्राज्य का संस्थापक → श्रीगुप्त

हरण अभिलेख → सती प्रथा

प्रयाग प्रशस्ती → वर्णन

शक संवत् – 78 AD

गुप्त संवत् – 319 AD